

■ भारत भवन में मंगलवार की शाम शुरू हुई रंगायन आर्ट गैलरी द्वारा आयोजित चित्र प्रदर्शनी कई मायनों में अनूठी थी। इस प्रदर्शनी में तीन पीढ़ी का काम एक साथ देखा जा सकता है। 6 फरवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मशहूर चित्रकार सैयद हैदर रजा ने किया।

भारत भवन में रंगों का उत्सव

■ राज रिपोर्ट

भोपाल। भारत भवन में मंगलवार की शाम पेंटिंग्स के नजरिए से एक बेहद खास शाम थी। छोटा हो या बड़ा राजधानी में चित्रकारी से तात्कुर रखने वाला हर शख्स यहां मौजूद था। इसे चित्रकारों का और रंगों का उत्सव कहा जाए तो गलत नहीं होगा। उनकी इस उपस्थिति के पीछे ख्यातिनाम चित्रकार सैयद हैदर रजा थे जो यहां रंगायन आर्ट गैलरी द्वारा आयोजित प्यूनन चित्र प्रदर्शनी की शुरूआत करने के लिए मौजूद थे। यह चित्र प्रदर्शनी भी कई मामलों में अनूठी है। राजधानी में यह पहला मौका था जब किसी प्राइवेट आर्ट गैलरी ने इतनी बड़ी पेंटिंग प्रदर्शनी आयोजित की। भारत भवन ऐसी किसी प्रदर्शनी से जुड़ा यह भी पहली बार हुआ। तीसरी खास बात यह थी कि इस प्रदर्शनी में भोपाल की तीन पीढ़ी का काम एक साथ देखने को मिला, जिसमें युवाओं के साथ-साथ वरिष्ठ और प्रतिष्ठित चित्रकारों ने भी भागीदारी की। सबसे खास बात यह कि रजा साहब इसका शुभारंभ करने यहां आए।

इस प्रदर्शनी में एंक्रिलिक, ऑइल और मिक्स मीडियम का काम देखने को मिला। पेपर मेरी और सिरामिक का शिल्प भी प्रदर्शित किया गया है। जिन कलाकारों की पेंटिंग यहां होंगी गई हैं उनमें-अखिलेश, आनंद प्रकाश, अनिल गायकवाड़, बसंत भार्गव, भावना चौधरी, देवीलाल पाटीदार, हिमाशु जोशी, हरेन्द्र शाह,

हरचंदन सिंह भट्टी, लक्ष्मण भाण्ड, एलपन भावसार, महेन्द्र सोनी, मंजूषा गागुली, निधि सागर, नीरज, प्रदीप अहिरवार, प्रमोद गायकवाड़, राहुल वाघ, राजेश अम्बालकर, रमेश खेर, रवीन्द्र सिन्हा, सचिदा नागदेव, साजिद प्रेमी, संजु जैन, संदीप सोनी, शुभा भट्टी, शम्मा शाह, शैलेन्द्र, शोभा घारे, स्मृति गार्गव, सुरेश चौधरी, वसंत अगारेश और विशाखा आटे शामिल है।

प्रतिक्रिया

रजा को यहां पाकर ऐसा लगा जैसे किसी शरीर के अंदर आत्मा आ गई हो। उनके आने भर से कलाकार में ऊर्जा भर जाती है उसका आसपास और इन दोनों बहुत पावरफुल हो जाते हैं।

■ सुरेश चौधरी, वरिष्ठ चित्रकार

यंग लोगों का काम बहुत अच्छा लगा। रजा की उपस्थिति से माहौल बहुत उत्सवी और प्रेरणादायी हो गया है। नई पीढ़ी का काम उभरकर सामने आया है उनके लिए यह मंच बहुत उल्लेखनीय है।

■ सचिदा नागदेव, वरिष्ठ चित्रकार

यह मेरी जिंदगी का सबसे कीमती क्षण है कि इस प्रदर्शनी का शुभारंभ रजा साहब जैसी लीजेंड हस्ती के हाथ से हो रहा है। खुरी की बात यह भी है कि यह ऐसी प्रदर्शनी है जिसमें जूनियर तो हैं ही पेंटिंग का क्षेत्र के बड़े लोगों की पेंटिंग्स भी यहां होंगी गई हैं।

■ प्रीति निगम, रंगमन आर्ट गैलरी (अयोध्या)

आपने बुलाया, धन्यवाद सैयद हैदर रजा

धन्यवाद, आपके स्नेह का। आपने बुलाया

भारत भवन देखा संभव हो सका। भारत के युवाओं का काम देख सका इसकी खुशी है। युवाओं को संवाद है जल्दी नहीं करें। मैंने सार जीवन यही काम किया, पूरे पचास साल लगे तब इस लायक हो पाया कि देश-विदेश में मेरे काम की कद हुई। ये शब्द थे विषय विख्यात चित्रकार हैदर रजा के, जो उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहे।

कुछ अच्छी, कुछ बहुत अच्छी

जहां तक इस प्रदर्शनी की बात है तो इस बारे में इतना ही कहना चाहूंगा कि कुछ पेंटिंग अच्छी थी, कुछ बहुत अच्छी और कुछ ऐसी जो अभी बनने की प्रक्रिया में गुजर रही हैं। मुझे अच्छा लगा कि दीवारों पर इतनी पेंटिंग्स लगी हैं जिनमें सीनियर और जूनियर सभी कलाकारों का काम एक साथ दिख रहा है।

भारत भवन की गरिमा बनाए रखें

भारत भवन तो विश्व कलाकेन्द्र है अशोक वाजपेयी ने जो वातावरण यहाँ है उसी का परिणाम है कि इतनी पेंटिंग टंगी है। जिन लोगों के कंधों पर इस समय भारत भवन की जिम्मेवारी है उन्हें चाहिए कि वे इसकी गरिमा को आगे भी बनाए रखें।

मध्य प्रदेश भारत की धड़कन है यहाँ का संगीत साहित्य, चित्रकला पूरे देश में गुंज रही है इसकी गंध चारों ओर फैली हुई है। मैं जहाँ भी जाता हूँ मध्यप्रदेश के काम की चर्चा होती है। लोग चित्रकारी को समझना चाहते हैं ठीक उसी तरह जैसे शास्त्रीय संगीत के प्रति लोगों की ललक बढ़ी है चित्रकारी के प्रति भी उनका अप्रग्रह तेज हुआ है।

वैसे तो मृत और अमृत दोनों इस समय शबाब पर है फिर इन दिनों अमृत की दुनिया ज्यादा फलफूल रही है। ये बात स्पष्ट कर दूँ मैं फ़ोटोविक्र की आलोचना कदाई नहीं कर रहा हूँ।

